



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 फाल्गुन 1943 (श10)
(सं0 पटना 96) पटना, शुक्रवार, 4 मार्च 2022

सं० पी०पी०एम०— 41@2012&1139/कृ०,
कृषि विभाग

संकल्प
3 मार्च 2022

fo'k % jkT; fLFfr —fk fo' ofo ky; læat 8 i kSikdij ofudh, cadE fupVh l kba fo'k ea
Luk d Lrj ij ulekd r Nkædls—fk Luk d Nkædls eku LVbi kM i zku djusd h
Loh-fr A

राज्य सरकार द्वारा राज्य में अवस्थित कृषि विश्वविद्यालयों (बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर/डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा/बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना) में कृषि/उद्यान/पशु चिकित्सा/गव्य प्रौद्योगिकी/कृषि अभियंत्रण/मत्स्यकी स्नातक छात्रों को स्टाइपेंड की स्वीकृति दी गयी है। कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर स्वीकृत जैव प्रौद्योगिकी, वानिकी एवं कम्प्युनिटी साइंस के स्नातक छात्र स्टाइपेंड योजना के लाभ से अब तक आच्छादित नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि जैव प्रौद्योगिकी एवं कम्प्युनिटी साइंस की शिक्षा डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा दी जा रही है। इस विश्वविद्यालय के द्वारा इन दोनों पाठ्यक्रमों के स्नातक छात्रों को स्टाइपेंड योजना में शामिल करने हेतु राज्य सरकार से अनुरोध किया गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा बिहार कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कृषि जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालय तथा वानिकी महाविद्यालय की स्थापना की स्वीकृति दी गयी है। अतएव जैव प्रौद्योगिकी, वानिकी एवं कम्प्युनिटी साइंस के स्नातक छात्रों को स्टाइपेंड की स्वीकृति की आवश्यकता है।

2. पूर्व से स्वीकृत योजना में स्नातक स्तर पर नामांकित प्रत्येक छात्र को 2000/— रुपये प्रतिमाह तथा 6000/— रुपये प्रतिवर्ष पुस्तक आदि के क्रय के लिए स्टाइपेंड प्रदान की जाती है। कृषि स्नातक छात्रों के समान जैव प्रौद्योगिकी, वानिकी एवं कम्प्युनिटी साइंस स्नातक छात्रों को उसी दर से स्टाइपेंड की स्वीकृति प्रदान की जाती है। डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित पाठ्यक्रमों में मात्र बिहार के निवासी छात्रों को स्टाइपेंड की स्वीकृति दी जायेगी। बिहार कृषि विश्वविद्यालय में इन पाठ्यक्रमों में नामांकित सभी छात्रों को स्टाइपेंड की स्वीकृति प्रदान की जायेगी।

3. यह योजना संकल्प निर्गत करने की तिथि से लागू की जायेगी। जैव प्रौद्योगिकी, वानिकी एवं कम्प्युनिटी साइंस महाविद्यालयों में स्वीकृत छात्रों की संख्या के अनुसार इन पाठ्यक्रमों को स्टाइपेंड योजना में शामिल करने के फलस्वरूप प्रतिवर्ष 2.16 करोड़ रु० अधिकतम व्यय स्वीकृत करने की आवश्यकता होगी। नामांकित वास्तविक छात्रों की

संख्या के आधार पर प्रत्येक वर्ष डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा एवं बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर से स्टाइपेंड मद में राशि की अधियाचना प्राप्त की जायेगी तथा संबंधित बजट शीर्ष में बजट उपबंध प्राप्त कर अधियाचित राशि विमुक्त की जायेगी।

प्रस्ताव में राज्य मंत्रिपरिषद् द्वारा दिनांक 21.02.2022 की बैठक में स्वीकृति संचिका संख्या-पी०पी०एम०-41/2012 के 203/टि० में प्रदान की गयी है।

संकल्प प्रारूप में आंतरिक वित्तीय सलाहकार की सहमति संचिका संख्या-पी०पी०एम०-41/2012 के 205/टि० में प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
डॉ० एन० सरवण कुमार,
सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 96-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>